PATNA WOMEN'S COLLEGE 1940

Psychology
Explore–Journal of Research
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

ग्रामीण एवं नगरीय युवाओं में सहायतापरक व्यवहार

• अनुराधा • श्वेता रंजन • नंदनी झा
• नीना वर्मा

Received : November 2016
Accepted : March 2017
Corresponding Author : Neena Verma

Abstract : प्रस्तुत शोध विषय का उद्देश्य युवाओं में सहायतापरक व्यवहार का अध्ययन करना, ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के युवाओं में सहायतापरक व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना, सहायतापरक व्यवहार में पाये जानेवाले लिंग-भेद का अध्ययन करना एवं युवाओं में सहायतापरक व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। इस शोध में निम्नांकित प्राक्कल्पनाओं को परिकल्पित किया गया-(क) सहायतापरक व्यवहार ग्रामीण युवाओं में नगरीय युवाओं की तुलना में अधिक होगा, (ख) ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में सहायतापरक व्यवहार में सार्थक लैंगिक भिन्नता होगी एवं (ग) नगरीय क्षेत्र के युवाओं में सहायतापरक व्यवहार में सार्थक लैंगिक भिन्नता होगी। प्रतिदर्श के रूप में *18-22* वर्षों के *100* युवाओं का चयन आकस्मिक-सह-सोद्येश्य नमूना *(Incidetnal-cum-purposive sampling)* विधि द्वारा किया गया। प्रदत संग्रहण ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के *6* विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से किया गया। सहायतापरक व्यवहार को मापने के लिए *Nickell, G. (1998)* द्वारा निर्मित *Helping Attitude Scale (HAS)* का उपयोग किया गया। परिणामों की व्याख्या परिमाणात्मक रूप में की गयी जिसमें माध्य, मानक विचलन तथा टी अनुपात का उपयोग किया गया। शोध के पहले परिणाम में यह पाया गया कि ग्रामीण युवा में सहायतापरक व्यवहार नगरीय युवा की तुलना में कम है जो शोध की पहली प्राक्कल्पना का समर्थन प्रदान नहीं करता है। दूसरी प्राक्कल्पना के अनुरूप परिणाम में यह पाया गया कि ग्रामीण युवाओं में सहायतापरक व्यवहार में लैंगिक भिन्नता होती है। सहायतापरक व्यवहार ग्रामीण छात्रों की तुलना में ग्रामीण छात्राओं में अधिक पाया गया। तीसरे प्राक्कल्पना के परिणाम में नागरीय युवा छात्रों एवं छात्राओं के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया जो शोध को प्राक्कल्पना को समर्थन प्रदान नहीं करता है शोधकर्ताओं द्वारा यह सुझाव दिया गया कि जागरूकता अभियान के दौरान युवाओं को दूसरों की मदद करने के संबंध में जागरूक किया जाना चाहिए एवं अभिभावकों को बच्चों को बचपन से ही सहायतापरक व्यवहार के बारे में शिक्षा देनी चाहिए।

संकेत शब्दः- सहायतापरक व्यवहार, ग्रामीण, नगरीय, युवा।

अनुराधा

B.A. III year, Psychology (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

श्वेता रंजन

B.A. III year, Psychology (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

नंदनी झा

B.A. III year, Psychology (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

नीना वर्मा

Assistant Professor, Department of Psychology,
Patna Women's College, Bailey Road,
Patna – 800 001, Bihar, India
E-mail : neenaverma55@gmail.com

परिचयः

सहायतापरक व्यवहार से तात्पर्य वैसे व्यवहार से होता है जिसमें व्यक्ति अपने स्वेच्छा से दूसरे व्यक्तियों को साहायता या लाभ पहुँचाता है, जिससे दूसरे व्यक्ति की चिंताएँ कम होती हैं तथा होने वाले संकट से उसे छुटकारा मिलता है समाजशास्त्रियों के अनुसार गाँव का तात्पर्य एक विशेष स्थानीय क्षेत्र से नहीं होता बल्कि गाँव जीवन का एक विशेष तरीका है एवं नगर एक ऐसा समाज है जिसे दूसरे समाजों से जनसंख्या के आकार और घनत्व, व्यवसाय की प्रकृति तथा सामाजिक संबंधों की भिन्नता के आधार पर पृथक किया जा सकता है। युवा से तात्पर्य वैसे वर्ग से होता है, जिनकी उम्र सीमा 20–35 वर्षों के बीच होती है।